RAISINA BENGALI SCHOOL
CLASS - 3 (हिन्दी)

व्याकरण

पाठ - 3 (मात्राएँ)

****

गृहकार्य निर्देश - नीचे दिए गए पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए कार्य को अपनी कॉपी में उत्तर सहित स्वयं लिखें ।

मात्राएँ

समझिए

वर्ण-संयोग हेतु स्वर के बदले हुए रूप को **मात्रा** कहते हैं।

ध्यानपूर्वक पढ़िए और समझिए–

अ आ इ ई – (सभी स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है।)

क = क् + अ (अ – स्वर) प् + अ = प (अ – स्वर) – (व्यंजनों का उच्चारण स्वर की सहायता से ही होता है।)

स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप में होता है किंतु व्यंजनों का उच्चारण स्वरों की सहायता से ही होता है। व्यंजन के उच्चारण में 'अ' का मेल पाया जाता है; जैसे–क् + अ = क, प् + अ = प। इस प्रकार अकेला व्यंजन बोलने के लिए 'अ' की सहायता ली जाती है।

इसके अतिरिक्त अन्य स्वरों का व्यंजनों से मेल करते समय उनकी मात्राएँ प्रयोग में लाई जाती हैं। 'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

विभिन्न स्वरों की मात्राएँ तथा उनसे बने शब्द देखिए–

स्वर	मात्रा	मात्रा के साथ व्यंजन का रूप	शब्द
अ	―	क	कलम
आ	ा	गा	गाय
इ	ि	ति	तिल
ई	ी	की	कील
उ	ु	(i) पु (ii) रु	पुल, रुक
ऊ	ू	(i) धू (ii) रू	धूप, रूप
ऋ	ृ	गृ	गृह
ए	े	शे	शेर
ऐ	ै	मै	मैया
ओ	ो	को	कोयल
औ	ौ	फौ	फौलाद

याद रखिए

- 'र' के साथ उ अथवा ऊ की मात्राएँ मध्य में लगती हैं (रु, रू)।
- 'इ' (ि) की मात्रा व्यंजन से पहले तथा 'ई' (ी) की मात्रा व्यंजन के बाद लगती है।

मात्रा (Vowel Mark)

व्यंजन के बाद आने वाले स्वर को **मात्रा** कहते हैं। अ स्वर की कोई मात्रा नहीं होती।

स्वर	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्राएँ		ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ

व्यंजनों पर मात्राएँ लगाने के नियम

1. **व्यंजन के बाद लगने वाली मात्राएँ** – आ, ई, ओ, औ

आ = ा	ई = ी	ओ = ो	औ = ौ
जाला	तीन	चोर	मौज

2. **व्यंजन से पहले लगने वाली मात्रा** – इ

इ = ि

हिल	बिल	लिहाफ	किरन

3. **व्यंजन के ऊपर लगने वाली मात्राएँ** – ए, ऐ

ए = े		ऐ = ै	
जेब	मेला	बैल	बौना

4. **व्यंजन के नीचे लगने वाली मात्राएँ** – उ, ऊ, ऋ

उ = ु	ऊ = ू	ऋ = ृ
सुख	सूत	कृष्ण

याद रखिए

र में उ (ु) या अ (ृ) की मात्रा बीच में लगती है। जैसे– रुचि, रूठ, आदि।

व्यंजन-वर्ण को संयुक्त करना

हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन वर्ण खड़ी पाई वाले होते हैं, कुछ बिना पाई वाले और कुछ अलग प्रकार की आकृति के।

खड़ी पाई वाले व्यंजन वर्ण–

ख	ग	घ	च	ज	झ	ञ	ण	त	थ	ध
न	प	ब	भ	म	य	ल	व	श	ष	स

बिना पाई वाले व्यंजन वर्ण–

क	ङ	छ	ट	ठ	ड	ढ	द	फ	ह	र

संयुक्त व्यंजन–

जब दो व्यंजनों के बीच कोई स्वर नहीं होता, तो उन्हें मिलाकर बोला और लिखा जाता है। मिलाकर लिखे गए व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं।

व्यंजन से व्यंजन का मेल–

जब एक व्यंजन को दूसरे व्यंजन से मिलाकर लिखा जाता है, तो पहले व्यंजन के स्वर का लोप हो जाता है और उसे आधा लिख देते हैं। आधे व्यंजन कई प्रकार से लिखे जाते हैं–

1. जिन व्यंजनों में पाई (I) होती है, उनकी पाई हटा दी जाती है और अगले व्यंजन को उससे मिलाकर लिखते हैं। पाई वाले व्यंजन ख, ग, घ, च, ज, ञ, ण, त, थ, ध, न, प, ब, भ, म, य, ल, व, श, ष और स हैं।

   उदाहरण–च् + च = च्च = बच्चा, च् + छ = च्छ = अच्छा, त् + य = त्य = त्याग

2. जिन वर्णों में पाई नहीं होती, उन्हें पूरा लिखकर या तो उनके नीचे हल् का चिह्न (्) लगाकर लिखते हैं या उन्हें पूरा लिखकर अगले व्यंजन को उसकी शिरोरेखा हटाकर पहले लिखे वर्ण के नीचे लिख देते हैं, जैसे–

ट	ट्	भट्टी	भट्टी
द	द्	गद्दी	गद्दी

3. क और फ का रूप दूसरे व्यंजनों के साथ मिलने से 'क' और 'फ' हो जाता है; जैसे–

क	क	चक्की	मक्खी	क्या
फ	फ	हफ्ता	मुफ्त	दफ्तर

'र' का प्रयोग

'र' का प्रयोग कई प्रकार से होता है–

1. **व्यंजन के ऊपर**–जब 'र' स्वर-रहित होता है, तो यह उस व्यंजन के ऊपर लगता है जिससे पहले यह बोला जाता है; जैसे–

क + र् + म = कर्म	व + र् + ण = वर्ण
ध + र् + म = धर्म	आ + द + र् + श = आदर्श

स्वर-रहित 'र' को 'रेफ' कहते हैं।

2. व्यंजन के नीचे ट और ड के साथ 'र' इस रूप ( ) में वर्ण के नीचे जोड़ दिया जाता है–

ट् + र = ट्र	ट्रक	राष्ट्र	ट्रेन
ड् + र = ड्र	ड्रम	ड्रामा	ड्रैस

3. पाई वाले व्यंजन के साथ इसका रूप पदेन ( ) रहता है; जैसे–

क् + र = क्र	चक्र	वक्र	क्रम
ग् + र = ग्र	ग्राम	ग्रीवा	ग्रास
भ् + र = भ्र	भ्रम	भ्राता	शुभ्र

पाठ पर आधारित प्रश्न

1. सही मात्रा लगाकर शब्द बनाइए -

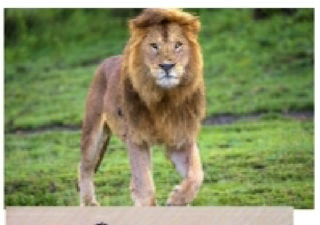

शर
गलब
मछल
ततल
पसल - पेंसिल
कतब

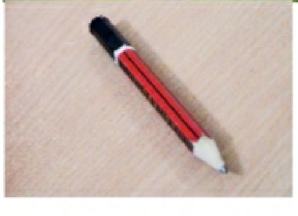

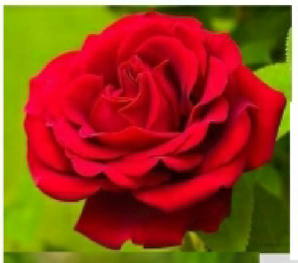

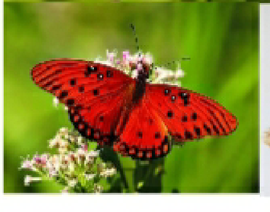

2. शब्दों की मात्राएँ लिखिए -

थैली - ऐ , ई
मैला -
घड़ी -
गुड़िया -
चश्मा -

3. नीचे दिए गए चित्र बनाकर उनके नाम और मात्राएँ लिखिए -